Monitoring Visit of Shri Anil Gupta-RPM, Rajasthan in Banswara Project area

बांसवाडा दिनांक 26 अप्रेल 2015

ग्रामीण विकास ट्रस्ट जयपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता ने नाबार्ड वाडी विकास कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित डुगरीपाड़ा में किसान गोष्ठी में संबोधित करते हुए कहा कि परिवार, समाज व राष्ट्र के समग्र विकास के लिए किसानों को संगठित होकर सरकारी व गैरसरकारी संगठनों द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ से जुड़कर बदले जमाने के अनुरूप परिश्रम कर समन्वित खेती पद्धति का मोडल अपनाना होगा । उन्होने कहा कि किसानों को चाहिए कि बदले जमाने के अनुरूप पुरे मन से नई तकनीकी का आत्मसात करें तथा पुरी मेहनत से खेती कार्यो में जुटे तभी आर्थिक स्थिती मजबूत हो सकती है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एच. के. तोमर ने सभी किसानो एवं अधिकारीयो का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओ की जानकारी देते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण हमारे खेतों का आकार छोटा होता जा रहा है अतः किसानों को अधिक उत्पादन हेतु ऐसी फसलो का चयन करना चाहिए जो कम समय में, कम पानी में अधिक उपज दे सके साथ ही हमे अनाज की फसलों के साथ फलदार , वानिकी पौधो की खेती, सब्जी उत्पादन व पशुपालन कर अधिक से अधिक आय प्राप्त करनी होगी। उन्होने कहा कि गांव में संगठन जैसे स्वयं सहायता समूह, किसान कलब, किसान रूची समूह आदि का गठन कर विकास के सामूहिक प्रयास करने होगे। किसान गोष्ठी में एच. के. तोमर ने वाड़ीयो में समय पर पौधा रोपण कार्य हेतु कार्ययोजना बनाने पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

कार्यक्रम में संस्था के प्रबंधक उदय लाल गुर्जर ने महिला संशक्तीकरण के बारे में जानकी देते हुए कहा कि जब तक परिवार मे महिला जागरूक नहीं होगी तब तक परिवार का विकास संभव नहीं है अतः हमें महिलाओं को विकास की मुख्यधारा जोड़ने हेतु महिला स्वयं सहायता समूह गठन कर महिलाओं को विभिन्न दक्षतावर्धन प्रशिक्षण देकर उन्हे आय अर्जित गतिविधियों से जोडना होगा

कार्यक्रम के पश्चात अधिकारीयो द्वारा गांव नालपाड़ा, बिलीपाड़ा, वडलीपाड़ा नाबार्ड वाड़ी विकास कार्यक्रमो अंतर्गत् वाड़ीया, सब्जी उत्पादन, जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमो आदि कार्यो का अवलोकन किया।

दिनांक 27.04.2015 को बांसवाड़ा कार्यालय में जी.वी.टी. स्टाफ की समीक्षा बैठक की गई जिसमें आगामी त्रेमासीक में किये जाने वाले कार्यो के बारे परियोजना वार चर्चा हुई साथ ही नाबार्ड के सहयोग से स्वयं सहायता समूह के लिडरों के प्रशिक्षण एवं दक्षता वर्धक प्रशिक्षण के बारे में प्रस्ताव जमा करने हेतु चर्चा हुई।

दिनांक 28.04.2015 को क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता एवं अन्य अधिकारीयों द्वारा तलवाडा वाडी के गांव भापोर व पीपलखूट वाड़ी के गांव बिल्डीया, मालीया, रिछडी आदि गांवो में वाडी अन्तर्गत किये गये कार्यो का अवलोकन किया गया साथ ही गांव बिल्डीया में किसानों की मिटींग रखी गई जिसमें वाड़ीयो में समय पर समय पर पौधा रोपण कार्य हेतु कार्ययोजना बनाने पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

एच.के .तोमर
जिला कार्यक्रम प्रबन्धक
ग्रामीण विकास ट्रस्ट बांसवाडा

Few Glimpses of the Event

Media Coverage of the Event

कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े, जमाने के साथ चलें : गुप्ता

अर्जेन्ट टाईम्स
डूंगरपुर, गुरुवार 30 अप्रैल - 2015 08

डूंगरीपाड़ा में किसान गोष्ठी में किसानों को दी तकनीकी जानकारियां

बांसवाडा। ग्रामीण विकास ट्रस्ट जयपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता ने नाबार्ड वाडी विकास कार्यक्रम अंतर्गत डुंगरीपाड़ा में आयोजित किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार, समाज व राष्ट्र के समग्र विकास के लिए किसानों को संगठित होकर सरकारी व गैरसरकारी संगठनों द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ से जुड़कर बदले जमाने के अनुरूप परिश्रम कर समन्वित खेती पद्धति का मोडल अपनाना होगा। उन्होने कहा कि किसानों को चाहिए कि बदले जमाने के अनुरूप पुरे मन से नई तकनीकी का आत्मसात करें तथा पुरी मेहनत से खेती कार्यों में जुटे तभी आर्थिक स्थिती मजबूत हो सकती है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एच. के. तोमर ने सभी किसानो एवं अधिकारीयो का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओ की जानकारी देते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण हमारे खेतों का आकार छोटा होता जा रहा है अतः किसानों को अधिक उत्पादन हेतु ऐसी फसलो का चयन करना चाहिए जो कम समय में, कम पानी में अधिक उपज दे सके साथ ही हमे अनाज की फसलों के साथ फलदार , वानिकी पौधो की खेती, सब्जी उत्पादन व पशुपालन कर अधिक से अधिक आय प्राप्त करनी होगी। उन्होने कहा कि गांव में संगठन जैसे स्वयं सहायता समूह, किसान कलब, किसान रूची समूह आदि का गठन कर विकास के सामूहिक प्रयास करने होगे। कार्यक्रम में संस्था के प्रबंधक उदय लाल गुर्जर ने महिला संशक्तीकरण के बारे में जानकाी देते हुए कहा कि जब तक परिवार मे महिला जागरूक नहीं होगी तब तक परि वार का विकास संभव नहीं है अतः हमें महिलाओं को विकास की मुख्यधारा जोड़ने हेतु महिला स्वयं सहायता समूह गठन कर महिलाओं को विभिन्न दक्षतावर्धन प्रशिक्षण देकर उन्हे आय अर्जित गतिविधियों से जोडना होगा कार्यक्रम के बाद अधिकारीयो द्वारा गांव नालपाड़ा, बिलीपाड़ा, वडलीपाड़ा एवं भापोर नाबार्ड वाड़ी विकास कार्यक्रमो अंतर्गत् वाड़ीया, सब्जी उत्पादन, जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमो आदि कार्यों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के, अनिल जैन, दलपत सिंह सौलकी, नानुराम आदि उपस्थित थे।

बांसवाडा। नाबार्ड वाड़ी विकास कार्य मे का अवलोकन करते तथा किसान गोष्ठी को संबोधित करते अतिथि।

दैनिक नवज्योति
गुरुवार
30 अप्रैल 2015

विकास के लिए अपनानी होगी समन्वित खेती

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बांसवाड़ा

कृषकों को अपने उत्थान के लिए समन्वित खेती का मॉडल अपनाना होगा। तभी जाकर वह न केवल खुद के जीवन का बदलाव कर सकेगा वरन् राष्ट्र विकास में भी अपना योगदान दे सकेगा। उक्त उद्‌गार ग्रामीण विकास ट्रस्ट जयपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता ने नाबार्ड वाड़ी विकास कार्यक्रम के तहत डूंगरीपाड़ा में आयोजित किसान गोष्ठी में व्यक्त किए।

बांसवाड़ा। डूंगरीपाड़ा मे किसान गोष्ठी में मार्गदर्शन देते विषय विशेषज्ञ, दूसरे चित्र में वाड़ियों का अवलोकन करते [redacted] जयपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल गुप्ता। -दीपक भारत श्रीमाल

उन्होंने कहा कि बदले समय के अनुरूप किसानों को नई तकनीक को आत्मसात् करना होगा और समन्वित खेती पद्धति का मॉडल अपनाना होगा। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एचके तोमर ने सभी किसानों एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए संस्था द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जनसंख्या वृद्धि के कारण हमारे खेतों का आकार छोटा होता जा रहा है। अतः किसानों को अधिक उत्पादन हेतु ऐसी फसलों का चयन करना चाहिए जो कम समय में, कम पानी में अधिक उपज दे सके। साथ ही हमें अनाज की फसलों के साथ फलदार, वानिकी पौधों की खेती, सब्जी उत्पादन व पशुपालन कर अधिक से अधिक आय प्राप्त करनी होगी। उन्होंने कहा कि गांव में संगठन जैसे स्वयं सहायता समूह, किसान कलब, किसान रूची समूह आदि का गठन कर विकास के सामूहिक प्रयास करने होंगे। संस्था के प्रबंधक उदयलाल गुर्जर ने महिला सशक्तिकरण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जब तक परिवार मे महिला जागरूक नहीं होगी तब तक परिवार का विकास संभव नहीं है। अतः हमें महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए महिला स्वयं सहायता समूह गठन कर महिलाओं की विभिन्न दक्षतावर्धन प्रशिक्षण देकर उन्हें आय अर्जित गतिविधियों से जोड़ना होगा। कार्यक्रम के पश्चात अधिकारियों ने गांव नालपाड़ा, बिलीपाड़ा, वडलीपाड़ा एवं भापोर नाबार्ड वाड़ी विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत वाड़ीया, सब्जी उत्पादन, जल संरक्षण, फसल सुधार कार्यक्रमों आदि कार्यों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अनिल जैन, दलपत सिंह सोलंकी, नानूराम आदि मौजूद थे।